

रुकावट स्त्री. (तद्.) 1. किसी कार्य के न हो पाने की स्थिति 2. किसी कार्य में होने वाली बाधा, विघ्न।

रुक्का पुं. (अर.) 1. थोड़े शब्दों में लिखी छोटी चिट्ठी या पत्र 2. परचा, पुरजा 3. लेन देन व्यवस्था के तहत वह कागज या स्टॉप पेपर जिसमें ऋण के प्रमाण स्वरूप ऋण देने वाला ऋण लेने वाले से लिखवाता है।

रुक्म पुं. (तत्.) 1. स्वर्ण, सोना 2. लोहा 3. धतूरा 4. रुक्मिणी के एक भाई का नाम **वि.** उज्ज्वल, चमकदार।

रुक्मवती स्त्री. (तत्.) 1. सोने से युक्त, स्वर्णयुक्त, रूपवती 2. (छंद) एक समवर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक चरण में भगण, मगण, सगण तथा अंत में गुरु इस प्रकार सब मिलाकर 10 वर्ण होते हैं तथा पाँच पाँच पर यति होती है चंपकमाला छंद।

रुक्मसेन पुं. (तत्.) श्रीकृष्ण की पटरानी रुक्मिणी का छोटा भाई और राजा भीष्मक का छोटा पुत्र।

रुक्मांगद पुं. (तत्.) सोने के बाजू बंद पहनने वाला; जिसने शरीर पर रुक्मक (सोना) पहना हो।

रुक्मिणी स्त्री. (तत्.) विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री और रुक्मी की बहन जो श्रीकृष्ण से प्रेम करती थी परंतु भाई रुक्मी उसका विवाह शिशुपाल से करना चाहता था, रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को पत्र लिख कर इसकी सूचना दी, श्रीकृष्ण ने रुक्मी, शिशुपाल आदि को हरा कर रुक्मिणी का अपहरण करके उनसे विवाह किया। वह श्रीकृष्ण की पटरानी थी और उन्हें लक्ष्मी का अवतार माना जाता है।

रुक्मी पुं. (तत्.) राजा भीष्मक का ज्येष्ठ पुत्र और रुक्मिणी का भाई।

रुक्शाभ पुं.वि. (तत्.) जो सूखा प्रतीत हो, जिसमें निर्जलता, नीरसता, खुरदरापन दिखाई दे।

रुख पुं. (अर.) 1. मुखकृति, चेहरा 2. गाल, कपोल 2. पार्श्व, तल 4. ध्यान, दृष्टि करना 5.

मनोभाव 6. सामने का हिस्सा 7. शतरंज का एक मोहरा 8. कृपा दृष्टि 9. दिशा, गति 10. विचार, प्रतिक्रिया, स्थिति 1. पेड़, वृक्ष 2. चेहरा 4. ध्यान 4. अभिमत 5. कृपादृष्टि, अनुकूलता 6. शतरंज का एक मोहरा, रथ, हाथी **मुहा.** रुख करना- कृपा दृष्टि करना; रुख पाना- अनुकूल इच्छा होना; रुख मोड़ना- पूर्व भाव का बदल जाना, प्रस्तुत विषय से भिन्न बातें करना; रुख फेरना- दूसरी तरफ देखना, उपेक्षा करना।

रुखड़ी वि. (तत्.) रुखी, रुक्षता वाली।

रुखसत, रुखसत पुं. (अर.) 1. प्रस्थान, विदा, कूच, रवानगी 2. वधू का पति के घर जाना, वधू की विदाई 3. अवकाश, छुट्टी।

रुखसती स्त्री. (अर.) 1. विदाई, दुल्हन की विदाई 2. प्रस्थान संबंधी।

रुखसार/रुखसार पुं. (फा.) कपोल, गाल।

रुखाई स्त्री. (देश.) 1. रुक्षता, रुखापन, शुष्कता 2. निष्ठुरता 3. शील का त्याग।

रुखानी स्त्री. (तद्.) 1. बढ़ई का लोहे का एक उपकरण जो लकड़ी छीलने या लकड़ी में छेद करने के काम आता है 2. संगतराशों की टांकी 3. तेली का एक उपकरण।

रुखावट/रुखाहट स्त्री. (देश.) रुखाई, रुखापन, निष्ठुरता, बेदर्दी।

रुचि स्त्री. (तत्.) 1. इच्छा, अभिलाषा 2. प्रवृत्ति, झुकाव, अभिरुचि, लगन, लौ 3. प्रीति, प्यार 4. भूख, खाने की इच्छा 5. स्वाद 6. आनन्द, सुख, सुविधा 7. आभा, चमक 8. वर्ण, रूप, रंग 9. सौंदर्य, शोभा, छवि **वि.** रुचिर, सुंदर, शोभा देता हुआ, फबता हुआ।

रुचिकर वि. (तत्.) 1. प्रिय, अच्छा लगने वाला 2. स्वादिष्ट 3. रुचि उत्पन्न करने वाला।

रुचिकारक वि. (तत्.) 1. रुचि उत्पन्न करने वाला, अच्छा लगने वाला 2. स्वादिष्ट, अप्रिय।

रुचिता स्त्री. (तत्.) 1. रुचि होना, पसंद होना 2. रोचकता 3. सुंदरता 4. अनुराग, प्रेम।